

आशीष मुझे दो इतना,  
तेरे चरणों में खो जाऊं,  
तेरे वृन्दावन में बसकर,  
तेरे वृन्दावन में बसकर,  
मैं श्याम अमर हो जाऊं,  
आशीष मुझे दो इतना,  
तेरे चरणों में खो जाऊं ॥

मैं जाऊं जिधर मैं देखूँ जिधर,  
वृन्दावन तेरा आए नज़र,  
मेरी रग रग में बस तू ही बसा,  
तेरी चाहत का है सारा असर,  
कुछ और ना देखे अँखियाँ,  
कुछ और ना देखे अँखियाँ,  
तेरे ही दर्शन पाऊं,  
मैं श्याम अमर हो जाऊं,  
आशीष मुझे दो इतना,  
तेरे चरणों में खो जाऊं ॥

इन होंटो पर तेरा नाम रहे,  
यही काम मुझे बस श्याम रहे,  
अब परवाह नहीं कुछ भी जग की,  
केवल तेरा ही ध्यान रहे,  
मरते दम तक मैं मोहन,  
मरते दम तक मैं मोहन,

तेरे भजनो को ही गाऊँ,  
मैं श्याम अमर हो जाऊँ,  
आशिष मुझे दो इतना,  
तेरे चरणों में खो जाऊँ ॥

बिन तेरे मेरा कोई मोल नहीं,  
मेरा कोई ठिकाना और नहीं,  
इन साँसों में सरगम तुमसे,  
मेरा खुद का फ़साना कोई नहीं,  
कुछ और ना मांगे शर्मा,  
कुछ और ना मांगे शर्मा,  
केवल तुझमें खो जाऊँ,  
मैं श्याम अमर हो जाऊँ,  
आशिष मुझे दो इतना,  
तेरे चरणों में खो जाऊँ ॥

आशीष मुझे दो इतना,  
तेरे चरणों में खो जाऊँ,  
तेरे वृन्दावन में बसकर,  
तेरे वृन्दावन में बसकर,  
मैं श्याम अमर हो जाऊँ,  
आशिष मुझे दो इतना,  
तेरे चरणों में खो जाऊँ ॥

स्वर रजनी जी राजस्थानी ।

Source:

<https://www.bharattemples.com/aashish-mujhe-do-itna-tere-charno-me-kho-jaun/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>